HINDI

Paper 1

(*Two Hours*)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

You will NOT be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Attempt ***ALL*** *questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

Question 1

Write a short composition in **Hindi** in NOT less than **four hundred (400)** words on any ONE of the following topics :— [25]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर **हिन्दी** में संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए जो चार सौ **(400)** शब्दों से कम न हो :—

(i) एक मजदूर जिसे आपने करीब से देखा हो उसकी दिनचर्या का वर्णन कीजिए । तथा यह भी बताइए कि वह अपना जीवनयापन कैसे करता है ?

(ii) "वर्तमान समाज के लिए दूरदर्शन एक उपयोगी अंग बन गया है ।'' इस कथन को सत्य ठहराते हुए संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए ।

(iii) "शान्ति के लिए युद्ध आवश्यक है''—वर्तमान में इस पंक्ति के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए ।

(iv) "शठ सुधरहिं सत्संगति पाई'' इस सूक्ति को आधार मानकर एक मौलिक कहानी लिखिए ।

(v) भारत एक कृषि प्रधान देश है । कृषि की उन्नति के बिना देश की उन्नति असम्भव है । मान लीजिए आप कृषक होते तो कृषि की उन्नति के लिए आप क्या करते ?

This paper consists of 5 printed pages and 1 blank page.

© *Copyright Reserved*

(vi) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और मन में उभरते विचार कहानी अथवा लेख के रूप में लिखिए । आपकी कहानी या लेख का सीधा सम्बन्ध चित्र से होना आवश्यक है ।

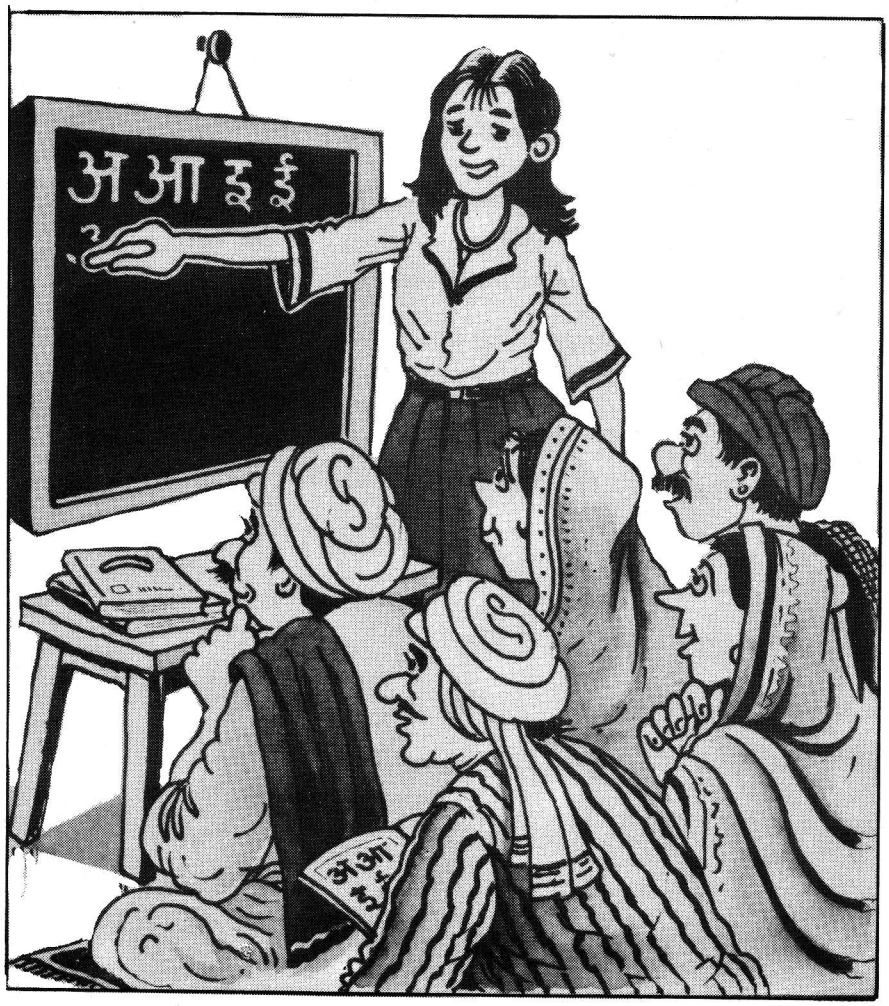

Question 2

Write a letter in **Hindi** on any **ONE** of the topics given below :— [15]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में पत्र लिखिए :—

EITHER

आपका छोटा भाई छात्रावास में रहकर खुश नहीं है क्योंकि वह अभी तक कोई दोस्त नहीं बना पाया है ? अपने भाई को पत्र लिखकर कुछ सलाह दीजिए जिससे वह कुछ मित्र बना सके ।

OR

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उनसे छात्रवृत्ति की प्रार्थना कीजिए । पत्र में यह भी स्पष्ट कीजिए कि आपको छात्रवृत्ति (Scholarship) की आवश्यकता क्यों है ?

Question 3

Read the passage given below carefully and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

उशीनर-पुत्र हरिभक्त महाराज शिवि बड़े ही दयालु और शरणागत वत्सल थे । एक समय राजा शिवि एक महान् यज्ञ कर रहे थे । इतने में भयाक्रान्त एक कबूतर राजा के पास आया और उनकी गोद में छिप गया । उसके पीछे उड़ता हुआ एक विशाल बाज वहाँ आया और वह मनुष्य की-सी भाषा में [illegible] से राजा से बोला—'हे राजन ! पृथ्वी के धर्मात्मा राजाओं में आप सर्वश्रेष्ठ हैं, पर आज आप धर्म से विरुद्ध कर्म करने की इच्छा कैसे कर रहे हैं ? मैं भूख से व्याकुल हूँ । मुझे यह कबूतर भोजन के रूप में मिला है, आप इस कबूतर के लिए अपना धर्म क्यों छोड़ रहे हैं ।''

राजा शिवि ने उत्तर देते हुए कहा—'मैं यह भयभीत कबूतर तुम्हें नहीं दे सकता क्योंकि तुमसे डरकर यह कबूतर अपनी प्राणरक्षा के लिए मेरे समीप आया है और जो मनुष्य शरणागत की रक्षा नहीं करते या लोभ, द्वेष अथवा भय से उसे त्याग देते हैं उनकी सज्जन निन्दा करते हैं । भय में पड़े हुए जीवों की रक्षा करने से बढ़कर दूसरा कोई धर्म नहीं है । हे बाज ! तुम आहार चाहते हो, मैं तुम्हारे दुःख का भी नाश करना चाहता हूँ, अतः तुम मुझसे कबूतर के बदले में चाहे जितना और आहार माँग लो ।' बाज सोच-विचारकर बोला—हे राजन् ! यदि इस कबूतर पर आपका इतना ही प्रेम है तो इस कबूतर के ठीक बराबर का तौलकर आप अपना माँस मुझे दे दीजिए ।'

राजा शिवि ने एक तराजू मँगवाया और उसके एक पलड़े में कबूतर को बैठाकर दूसरे में वे अपना मांस काट-काटकर रखने लगे और उसे कबूतर के साथ तोलने लगे । कबूतर के प्राणों की रक्षा के लिए और बाज की भूख के निवारण के लिए महाराज शिवि अपने शरीर का मांस स्वयं प्रसन्नतापूर्वक काट-काटकर दे रहे थे । अपने सुखभोग की इच्छा को त्याग कर सबके सुख में सुखी होने वाले सज्जन भी दूसरों के दुःख में सदा दुःखी हुआ करते हैं । धन्य है त्याग का आदर्श !

तराजू में कबूतर का वजन माँस से बढ़ता गया । राजा ने सम्पूर्ण शरीर का माँस काटकर रख दिया, परन्तु कबूतर का पलड़ा नीचा ही रहा । तब राजा स्वयं तराजू पर चढ़ गए । राजा शिवि के तराजू में चढ़ते ही नभ से पुष्प-वृष्टि होने लगी । इतने में वह बाज और कबूतर अन्तर्धान हो गए और उनके सामने दो दिव्य देवता प्रकट हो गए । दोनों देवता इन्द्र और अग्नि थे । इन्द्र ने कहा—'राजन् ! तुम्हारा कल्याण हो ! मैं इन्द्र हूँ और जो कबूतर बना था वह अग्नि हैं । हम लोग तुम्हारी परीक्षा लेने आए थे । तुमने जैसा दुष्कर कार्य किया है वैसा आज तक किसी ने नहीं किया । यह सारा संसार मोहमय बन्धन में बँधा हुआ है, परन्तु तुम जगत् के दुःखों से छूटने के लिए करुणा से बँध गये हो । तुमने बड़ों से ईर्ष्या नहीं की, छोटों का कभी अपमान नहीं किया और बराबर वालों के साथ कभी स्पर्द्धा नहीं की, इसी से तुम संसार में सर्वश्रेष्ठ हो । संसार में तुम्हारे सदृश अपने सुख की इच्छा से रहित, एकमात्र परोपकार की बुद्धि वाले साधु केवल जगत् के हित के लिए पृथ्वी पर जन्म लेते हैं । तुम दिव्य रूप धारण करके चिरकाल तक पृथ्वी का पालन कर अन्त में भगवान के ब्रह्मलोक में जाओगे ।'

Turn Over

इतना कहकर इन्द्र और अग्नि स्वर्ग को चले गए । राजा शिवि यज्ञ पूर्ण करने के बाद बहुत दिनों तक पृथ्वी पर राज्य करके अन्त में दुर्लभ परम-पद को प्राप्त हुए । सत्य है, अपना पेट भरने के लिए तो पशु भी जीते हैं, किन्तु प्रशंसा के योग्य जीवन तो उन लोगों का है जो दूसरों के लिए जीते हैं । विधाता ने आकाश में जल से भरे बादलों को और फल से भरे वृक्षों को परोपकार के लिए ही रचा है । दुःख में डूबे हुए प्राणियों के दुःख का नाश ही सबसे बड़ा धर्म है । बड़े-बड़े यज्ञों का फल समय पर क्षय हो जाता है, पर भयभीत प्राणी को दिया गया अभयदान कभी क्षय नहीं होता ।

(i) महाराज शिवि कौन थे ? कबूतर महाराज शिवि की शरण में क्यों आया ? [3]

(ii) कबूतर को शरण देना बाज ने अधर्म का कार्य क्यों बताया ? [2]

(iii) महाराज शिवि ने बाज को कबूतर देने से मना क्यों किया ? [5]

(iv) कबूतर के बराबर मांस तोलने का उद्देश्य होते हुए भी महाराज शिवि तराजू के पलड़े पर स्वयं क्यों चढ़े ? [4]

(v) महाराज शिवि के तराजू के पलड़े पर चढ़ते ही कौन-सी विचित्र घटना घटित हुई ? [3]

(vi) बाज और कबूतर के रूप में कौन-से देवता थे ? महाराज शिवि को किसने और क्यों संसार में सर्वश्रेष्ठ बताया ? [5]

(vii) महाराज शिवि की कथा से आपको क्या शिक्षा मिली ? [3]

Question 4

(a) Give the meanings of any **FOUR** of the words. (Meaning should be according to the word as used in the passage.) [4]

किन्हीं **चार** शब्दों के अर्थ लिखिए । (अर्थ गद्यांश में प्रयुक्त शब्द के अनुरूप होना चाहिए।)

(i) भयाक्रान्त (ii) अन्तर्धान (iii) कर्मपाश

(iv) शरणागत (v) निवारण (vi) चिरकाल ।

(b) Give the antonym of any **FOUR** of the following words. (Do not give more than **one word**.) [4]

किन्हीं **चार** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए । (एक से अधिक शब्द न दें ।)

(i) धर्मात्मा (ii) नाश (iii) मोहमय

(iv) विशाल (v) अन्त (vi) दुष्कर ।

(c) Give two synonyms each of any **four** of the following words :— [4]

किन्हीं **चार** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :—

(i) वृक्ष (ii) बादल (iii) इच्छा

(iv) दुःख (v) पृथ्वी (vi) स्वर्ग ।

(iii) Rewrite the following sentences as instructed :— [3]

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देश के अनुसार दुबारा लिखिए :—

(a) प्रशंसा के योग्य जीवन तो उन लोगों का है जो दूसरों के लिए जीते हैं ।

(Change the sentence into future tense.)

(वाक्य को भविष्यत् काल में बदलिए ।) [3]

(b) तुमने छोटों का कभी अपमान नहीं किया । [2]

(Change into an affirmative sentence.)

(स्वीकारात्मक वाक्य में बदलिए ।) [5]

(c) बाज मनुष्य की-सी भाषा में उदार-हृदय राजा से बोला । [4]

(Rewrite the sentence using 'बाज ने')

('बाज ने' का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए ।) [3]

[5]

[3]

[4]

[4]

[4]